



Amit yadav



Ritu Yadav

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121586811

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

Amit yadav का वर्ग मृग है तथा Ritu Yadav का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Amit yadav और Ritu Yadav का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Amit yadav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ritu Yadav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ritu Yadav कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

Shri Dadaji Jyotish Kendra

Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi

8871726789

dadajijyotishkendra@gmail.com

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Amit yadav कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Amit yadav तथा Ritu Yadav में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

